उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024
Senior Secondary Examination, 2024
नमूना प्रश्न–पत्र
Model Paper
विषय – हिन्दी साहित्य
Sub : Hindi Literature

समय : 03 घण्टे 15 मिनट | पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिये सामान्य निर्देश :–

1. सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उनके उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड — अ
Section - A

1) निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिये (12)

i) 'बालक बच गया' अध्याय में बालक ने इनाम में क्या माँगा ? (1)

अ)	पुस्तक	ब)	मानचित्र
स)	चश्मा	द)	लड्डू

ii) संवदिया कहानी किस प्रकार की कहानी है ? (1)

अ)	आँचलिक	ब)	ऐतिहासिक
स)	अकहानी	द)	राजनैतिक

iii) ''मैंनें देखा, एक बूँद'' कविता में कवि ने बूँद की किस विशेषता को बताया है ? (1)

अ)	क्षणभंगुरता	ब)	चमक
स)	तरलता	द)	सजलता

iv) 'बारहमासा' जायसी की किस रचना का अंश है ? (1)

अ)	अखरावट	ब)	पद्मावत
स)	आखिरी कलाम	द)	पृथ्वीराज

v) 'सूरदास की झोंपड़ी' में किस वर्ग की व्यथा का अंकन किया गया है? (1)

अ)	दलित व शोषित वर्ग	ब)	उच्च वर्ग
स)	मध्यम वर्ग	द)	उच्च मध्यम वर्ग

vi) 'अपना मालवा' पाठ किस समस्या की ओर इंगित करता है ? (1)

अ)	जल एवं पर्यावरण	ब)	महँगाई
स)	बेरोजगारी	द)	महामारी

vii) कमल–पत्र को कहते हैं– (1)

अ) भसीण ब) पुरइन

स) कमल गट्टा द) कमल–नाल

viii) 'डग–डग रोटी, पग–पग नीर' किस धरती को कहा गया है ? (1)

अ) मालवा ब) मेवाड़

स) हाड़ौती द) मेवात

ix) नाटक का सबसे जरूरी और सशक्त अंग है, जिसके माध्यम से कथा की गति बनी रहती हैं – (1)

अ) कविता ब) गीत

स) संवाद द) इनमें से कोई नहीं

x) समाचार लेखन के ककार होते हैं – (1)

अ) चार ब) पाँच

स) छः द) आठ

xi) किसी अखबार की अपनी आवाज किसे माना जाता है ? (1)

अ) संपादकीय ब) आलेख

स) पत्रकार द) समाचार

xii) संवाददाताओं के बीच काम के विभाजन को मीडिया की भाषा में कहते हैं– (1)

अ) डेस्क ब) बीट

स) फ्रीलाँस द) न्यूज वेग

2) निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित उत्तर से कीजिये (6)

i) काव्य की शोभा बढाने वाले तत्व .... कहलाते हैं। (1)

ii) रोला व उल्लाला छंद के योग से .... छन्द बनता है। (1)

iii) ऐसी काव्य रचना जिसे पढ़ते ही अर्थ ग्रहण हो जाये वह .... गुण से युक्त रचना मानी जाती है। (1)

iv) जब कारण नहीं होने पर भी कार्य हो वहाँ .... अलंकार होता है। (1)

v) 'सागर के उर पर नाच–नाच लहरें करती है मधुर–गान' पंक्ति में ....अलंकार है। (1)

vi) तीन वर्णों का एक .... होता है। (1)

3) अपठित गद्यांश को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखियें :– (6)

भारतीय भाषाओं और साहित्य में अग्रस्थान ग्रहण करने का हिन्दी ने आग्रह नही किया। यह इन सबकी संयोजक शक्ति के रूप में बनी रहना चाहती है। हिन्दी का यह विनय हिन्दी के दीन–भाव के कारण नहीं है। अब वह समय आ गया है जब हम हिन्दी की संतानों को क्षमा प्रार्थना के स्वर में नहीं, सत्य स्थापना के स्वर में यह दृढ़तापूर्वक कहना चाहिये कि राज–भाषा होने के लिये हिन्दी अब अपने को अपमानजनक शर्तो पर बेचने को तैयार नहीं है राज–भाषा का पद हिन्दी के लिये बहुत छोटा पद है। हिन्दी का साहित्यकार हमेशा से तेज का उपासक रहा है वह तेज चाहे छोटे से छोटे आदमी में है।

i) हिन्दी भाषा का साहित्यकार किसका उपासक रहा है ? (1)

ii) हिन्दी भाषा में कौनसा भाव बतलाया गया हैं ? (1)

iii) हिन्दी भाषियों को किस स्वर में बोलने हेतु कवि प्रेरित कर रहा है ? (1)

iv) कौनसा पद हिन्दी के लिये छोटा माना है ? (1)

v) हिन्दी भाषा किस रूप में बनी रहना चाहती है? (1)

vi) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिये। (1)

4). अपठित पद्यांश को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखियें :– (6)

वर्षों तक वन में घूम–घूम,
बाधा विघ्नों को चूम–चूम,

सह धूप–घाम,पानी–पत्थर,
पाण्डव आये कुछ और निखर।
सौभाग्य न सब दिन सोता है,
देखें आगे क्या होता है

मैत्री की राह बताने को,
सबको सुमार्ग पर लाने को,
दुर्योधन को समझाने को,
भगवान हस्तिनापुर आये,
पाँडव का संदेसा लाये।

i) श्री कृष्ण हस्तिनापुर क्या संदेश लेकर गए थे ? (1)

(ii) किसको समझाने के लिए भगवान हस्तिनापुर आये ? बताइये (1)

iii) ''सौभाग्य न सब दिन सोता है'' पंक्ति का अर्थ बताइये। (1)

iv) पाँडवो ने वन में कौन–कौन से कष्ट सहन किये थे ? (1)

v) कृष्ण के हस्तिनापुर जाने का क्या उद्‌देश्य था ? (1)

vi) प्रस्तुत पद्यांश के लिये उचित शीर्षक लिखिये । (1)

खण्ड – ब
Section - B

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 40 शब्दों में दीजिये। (24)

5) लेखक ने सेवाग्राम में किन–किन देशभक्तों को देखा था ? (2)

6) सिंगरौली के लिये लेखक ने ''बैकुण्ठ'' एवं ''कालापानी'' की उपमा क्यों दी हैं ? (2)

7) विद्यापति की नायिका प्रेम के अनुभव का वर्णन करने में असमर्थता क्यों व्यक्त करती है ? (2)

8) 'दिशा' कविता में बच्चे ने हिमालय को पतंग की दिशा में क्यों बताया ? (2)

9) बिस्कोहर में लेखक ने किन–किन साँपों के बारे में बताया है ? (2)

10) झोंपड़ी जल जाने के बाद भी सूरदास को क्या आशा थी ? (2)

11) अन्योक्ति अलंकार की परिभाषा व उदाहरण लिखिये। (2)

12) किसी भी कहानी के विस्तार के लिये द्वन्द्व क्यों महत्वपूर्ण है ? (2)

13) 'इन डेप्थ' रिपोर्ट क्या होती है ? (2)

14) आर्थिक पत्रकारिता सामान्य पत्रकारिता की तुलना में जटिल क्यों होती है ? (2)

15) आचार्य राम चन्द्र शुक्ल का साहित्यिक परिचय दीजिये। (2)

16) घनानन्द का साहित्यिक परिचय दीजिये। (2)

खण्ड – स

Section - C

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : (उत्तर शब्द सीमा लगभग 60 शब्द)

17) 'आज मनुष्य का प्रकृति से रिश्ता टूट गया है' 'बसंत आया' कविता के आधार पर अपने शब्दों में लिखिये ? (3)

अथवा

'कार्नेलिया का गीत' कविता के मूल कथ्य को अपने शब्दों में लिखिए ।

18) 'घड़ी के पुर्जे' कहानी की मूल संवेदना को समझाइए। (3)

अथवा

'भीड़ लड़के ने दिल्ली में भी देखी थी, लेकिन इस भीड़ का अंदाज निराला था'। 'दूसरा देवदास' कहानी के आधार पर दिल्ली और गंगा–तट की भीड़ का अन्तर बताइये ।

19) ''नदियों का सदानीरा रहना जीवन के स्रोत का सदैव जीवित रहना है'' कथन के समर्थन में अपने विचार लिखिये। शब्द सीमा 80–100 शब्द (4)

अथवा

''सूरदास की झोंपड़ी'' पाठ के आधार पर सूरदास के व्यक्तित्व पर अपने विचार लिखिये।

खण्ड – द

Section - D

निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिये। (5)

20) हरगोबिन संवदिया।....... संवाद पहुँचाने का काम सभी नहीं कर सकते । आदमी भगवान के घर से संवदिया बनकर आता है। संवाद के प्रत्येक शब्द को याद रखना, जिस सुर और स्वर में संवाद सुनाया गया है, ठीक उसी ढंग से जाकर सुनाना सहज काम नही। गाँव के लोगों की गलत धारणा है कि निठल्ला, कामचोर और पेटू आदमी ही संवदिया का काम करता है। न आगे नाथ, न पीछे पगहा।

अथवा

कुटज क्या केवल जी रहा है। वह दूसरे के द्वार पर भीख माँगने नहीं जाता, कोई निकट आ गया तो भय के मारे अधमरा नहीं हो जाता, नीति और धर्म का उपदेश नहीं देता फिरता, अपनी उन्नति के लिये अफसरों का जूता नहीं चाटता, दूसरों को अवमानित करने के लिये ग्रहों की खुशामद नहीं करता। आत्मोन्नति हेतु नीलम नहीं धारण करता, अँगूठियों की लड़ी नहीं पहनता। दाँत नहीं निपोरता, बगलें नहीं झाँकता। जीता है और शान से जीता है।

21) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिये। (5)

मुझ भाग्य हीन की तू संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नही कही।
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर मेरे कार्य सकल
हो भ्रष्ट शीत के से शतदल
कन्ये गत कर्मो का अर्पण
कर, करता मै तेरा तर्पण

अथवा

फागुन पवन झंकोरै बहा। चौगुन सीउ जाइ किमि सहा।।
तन जस पियर पात भा मोरा। बिरह न रहै पवन होई झोरा।।
तरिवर झरै–झरै बन ढाँखा। भइ अनपत्त फूल फर साखा।।
करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू। मो कहँ जग भा दून उदासू।।
फाग करहिं सब चाँचरि जोरी। मोहिं जिय लाइ दीन्हि जसि होरी।।
जौं पै पियहि जरत अस भावा। जरत मरत मोहि रोस न आवा।।
रातिहु देवस इहै मन मोरें। लागौं कंत छार जेऊँ तोरे।।

22) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिये। (400 शब्द) (6)

1. आत्म निर्भर भारत
2. आतंकवाद एक वैश्विक समस्या
3. वर्तमान शिक्षा प्रणाली एवं नैतिक शिक्षा
4. मेरा प्रिय कवि